4 दैनिक जागरण पटना, 22 अक्टूबर 2018

राजद विधायक पर रेरा का शिकंजा

राज्य ब्यूरो, पटना : आयकर विभाग (आइटी), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआइ के बाद राजद विधायक सैयद अबू दोजाना की कंपनी रियल इस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के निशाने पर है। दोजाना की कंपनी ने पटना और मुजफ्फरपुर में रियल एस्टेट से जुड़ी 15 से अधिक परियोजनाओं का रेरा में निबंधन नहीं कराया है।

इस बीच रेरा द्वारा निबंधन को लेकर बिल्डरों पर शिकंजा कसे जाने के बाद दोजाना की कंपनी मेरिडियन कंस्ट्रक्शन इंडिया लिमिटेड, पटना के रुकनपुरा इलाके में अपनी नई परियोजनाओं में से एक-मेरिडियन एन्क्लेव के पंजीकरण के लिए रेरा में संपर्क किया। कंपनी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में बैलेंस शीट में अन्य 15 परियोजनाओं से संबंधित लेखा-जोखा दिखाए गए। हालांकि कुछ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। ऐसे में रेरा ने दोजाना की कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। रेरा ने कंपनी के प्रमोटरों को नोटिस जारी कर चल रही परियोजनाओं का पूरा विवरण देने के लिए कहा है। बता दें कि दोजाना, अबू मुर्तजा गजली, अनु ताल और मुशर्रफ अली कंपनी के निदेशक हैं। दोजाना की फर्म सगुना मोड़ में एक मॉल का भी निर्माण कर रही थी, जिसका स्वामित्व राजद प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार द्वारा कथित तौर पर चलाए जाने वाली शेल कंपनी के पास था। भूमि, कथित रूप से 2005 में लालू परिवार को स्थानांतरित कर दी गई थी। तब लालू रेलमंत्री थे। आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने इसे जब्त कर लिया है। यही नहीं, कंपनी द्वारा बगैर निबंधन कराए अपनी वेबसाइट पर बुकिंग से संबंधित प्रचार-प्रसार किया जा रहा था लेकिन कंपनी ने रेरा द्वारा जवाब तलब किए जाने के बाद वेबसाइट से जानकारी हटा दी है।

- बगैर अनुमति 15 से अधिक व्यावसायिक भवन बनाने के मामले में भरना होगा 60 लाख रुपये जुर्माना
- मेरिडियन कंस्ट्रक्शन इंडिया लिमिटेड के खिलाफ कई लोगों ने रेरा में भी की है शिकायत

पटना से मुजफ्फरपुर तक चल रहे प्रोजेक्ट

कंपनी की बगैर निबंधन कई परियोजनाएं पटना से लेकर मुजफ्फरपुर तक चल रही हैं। बैलेंस शीट में इन प्रोजेक्ट का ब्योरा डाकबंगला चौराहा, पालम बिहार, एसएस बिहार, रुकनपुरा, आकाश गंगा साइट, सिल्वेन हेरिटेज, फॉरेस्ट विहार, एम्स, दीघा साइट, फुलवारी साइट, मनेर साइट, बोरिंग रोड साइट, मुजफ्फरपुर साइट, बेली रोड और इशोपुर में जमीन के नाम से दिया गया है। इनमें से कुछ प्रोजेक्ट कंपलीट हुए हैं, लेकिन अधिकतर निर्माणाधीन हैं। कंपनी ने इन प्रोजेक्ट के फ्लैट व जमीन की बिक्री से छह करोड़ रुपये से अधिक की कमाई भी की है।